**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**08.02.2019 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 754 का उत्तर**

**रेलवे के तहत प्रिंटिंग प्रेस का बन्द होना**

**754. श्री बिनोय विश्वमः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार ने विगत में रेलवे के अन्तर्गत आने वाली प्रिंटिंग प्रेस को बंद किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और इसके क्या कारण हैं;

(ग) वर्तमान में रेलवे के अन्तर्गत कार्यरत प्रिंटिंग प्रेसों की कुल संख्या कितनी है; और

(घ) रेलवे के अंतर्गत आने वाली इन प्रिंटिंग प्रेसों में कार्यरत नैमित्तिक व स्थायी कार्मिकों की संख्या तथा उनको मिलने वाले वेतन का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*

रेलवे के तहत प्रिंटिंग प्रेस के बन्द होने के संबंध में 08.02.2019 को राज्य‍ सभा में श्री बिनोय विश्वम के अतारांकित प्रश्न सं.754 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क): जी हां।

(ख): 09 प्रिटिंग प्रेसों जो फेयरी प्‍लेस/कोलकाता/पूर्व रेलवे, लखनऊ/उत्‍तर रेलवे, गोरखपुर/पूर्वोत्‍तर रेलवे, गार्डन रीच और खड़गपुर/दक्षिण पूर्व रेलवे, (02 प्रिटिंग प्रेस), अजमेर/उत्‍तर मध्‍य रेलवे, तिरूचिरापल्‍ली/दक्षिण रेलवे, कुरसिऑग/पूर्वोत्‍तर सीमा रेलवे और महालक्ष्‍मी/पश्चिम रेलवे में स्थित हैं, को 31 जुलाई, 2018 से बंद कर दिया गया है।

ये 09 प्रिटिंग प्रेस बहुत पुरानी प्रिटिंग प्रेस थीं जो पुरानी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कार्ड टिकटों और सामान्‍य दस्‍तावेजों की प्रिटिंग का कार्य करती थीं। अनारक्षित टिकट प्रणाली, ऑटोमेटिक टिकट वेडिंग मशीनों और विभिन्‍न दस्‍तावेजों के डिजिटलाइजेशन होने के कारण इन प्रिटिंग प्रेसों को चालू रखना औचित्‍यपूर्ण नहीं था।

(ग): इस समय 05 प्रिटिंग प्रेस रेलवे के अधीन कार्य कर रही हैं।

(घ): इस समय, 05 प्रिटिंग प्रेसों में कार्यरत कर्मचारियों को 7,04,10,137 रु. प्रति माह (दिसम्‍बर 2018 के माह के अनुसार) वेतन का भुगतान किया जाता है।

रेलवे के अधीन प्रिटिंग प्रेस में कार्यरत नैमित्तिक कामगारों की संख्‍या: शून्य है।

रेलवे के अधीन प्रिटिंग प्रेस में कार्यरत स्‍थायी कर्मचारी की संख्‍या: 1196 है।

\*\*\*\*\*